गर्भावस्था के दौरान
प्रसव पूर्व किए जाने वाले आनुवांशिक परीक्षण

1. स्क्रीनिंग परीक्षण

स्क्रीनिंग टेस्ट ये जानने में मदद करता है कि क्या आपका शिशु आनुवांशिक बीमारी से ग्रस्त है।

A. प्रथम तिमाही का संयुक्त स्क्रीनिंग टेस्ट

गर्भावस्था की प्रथम तिमाही के दौरान आनुवांशिक परीक्षण गर्भावस्था के दसवें से बारहवें सप्ताह के दौरान रक्त परीक्षण के माध्यम से किया जाता है। जिसमें गर्भावस्था के लगभग ग्यारहवें से तेरहवें सप्ताह में एक अल्ट्रासाउंड भी शामिल होता है। इन दोनों परीक्षणों के परिणाम ट्राइसोमी 21(डाउन सिंड्रोम) या ट्राइसोमी 18 के जोखिम का पता लगाने में मदद करते हैं।

B. मैटरनल सीरम स्क्रीनिंग

गर्भावस्था की द्वितीय तिमाही के दौरान आनुवांशिक परीक्षण के लिए, स्नायु संबंधी जन्मजात दोषों न्यूरल बर्थ डिफेक्ट (स्पाइना बिफिडा), डाउन सिंड्रोम या ट्राइसोमी 18 के जोखिम की जांच करने के लिए गर्भावस्था के लगभग पन्द्रहवें से बीसवें सप्ताह के आसपास रक्त परीक्षण किया जाता है। यदि परीक्षण में जोखिम पाए जाते हैं, तो आपको आगे के परीक्षणों को कराने की सलाह दी जा सकती है।

2. डायग्नोस्टिक टेस्ट

डायग्नोस्टिक टेस्ट आपको उन दोषों के बारे में बता सकते हैं जो आपके शिशु को होने की संभावना है।

- कॉरियोनिक विलस सैम्पलिंग (सीवीएस) (ग्यारह से बारह सप्ताह)
- एम्नियोसेंटेसिस (पंद्रह से अठारह सप्ताह)
- अल्ट्रासाउंड स्कैन (अठारह से बीस सप्ताह)

क्या गर्भावस्था के दौरान अनुवांशिक परीक्षण के कोई जोखिम है ?

सबसे पहले ये बात समझना महत्वपूर्ण है कि आनुवांशिक परीक्षण कराना आपका अपना फैसला है। इसलिए, यदि आप सोच रही हैं कि आनुवांशिक परामर्श से क्या कोई जोखिम होता है या नहीं, तो आपको बता दें कि इससे शारीरिक तनाव के मुकाबले भावनात्मक तनाव अधिक होता है। क्योंकि बच्चे में किसी आनुवांशिक रोग का पाया जाना आपके लिए बेहद निराशाजनक और मुश्किल हो सकता है, जो आपके शिशु के जीवन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है।

जहाँ कुछ माता–पिता आनुवंशिक विकार के बारे में जानकर अपने शिशु के लिए बेहतर कदम उठाने की तैयारी करते हैं, वहीं दूसरी ओर, अन्य माता–पिता गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए इसके बारे में जानना चाहते हैं।

हालांकि, कुछ माता–पिता ऐसे भी हैं जो यह जानना ही नहीं चाहते हैं कि उनके शिशु को कोई आनुवांशिक विकार है या नहीं। आनुवांशिक परामर्श के लिए जाना है या नहीं, ये बात पूरी तरह से माता–पिता पर निर्भर करती है।

आपको आनुवांशिक परीक्षण के लिए जानना है या नहीं, यह पूरी तरह से आपका निर्णय है।

हालांकि, यदि आपको लगता है कि आपको या आपके साथी को, किसी भी प्रकार का कोई आनुवांशिक विकार हो सकता है, तो इसकी बेहतर जानकारी प्राप्त करने और अपने शिशु को जटिलताओं से बचाने के लिए आप अपने डॉक्टर से बात करें।

सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार
Toll Free No. 1800-11-2526, Medical Helpline No. 1800-11-3839
esic.nic.in @esichq @esichq @esichq @esichq @esichq